

ではできる 対色 (CHAPTER-6) 無行で回の (MINUNGSHI)

עבס: אווישווים: (Writer : Khwairakpam Chaoba Singh)

# ന<mark>്റ്</mark>രന്മന (SOLUTIONS)

# र्टेटहार्ग लक्ष्म

## ः वार्य अर्था विद्यार राष्ट्र

ण्वेणायं = स्रोट॰एयं

**困っこっ** = 形面

ज<sup>े</sup>भएष = ट्रए जिल्ला

टमटेगार = सीर्णित्रसण गेरिड

र्देस रुणाद्यामु ४५० स्प्रिय = ह्र द्रश्याद्यामु स्रोण यथा रुष्ट्रभ्य

प्रेचर = र्वेभेज

<u> 1両28</u> = 20,50.0 G 回28

ग्रभ<sup>2</sup> देज्रट लिए बज्जूए = ग्रात ग्रेन्जूए

ग्रापास॰ ग्राप्तास॰ एए = प्राप्ता में व्योपए ह

णाण कि प्रतंत्र पुरा वर्षा प्रतंत्र प्रतंत्र पुरा वर्षा पुरा वर्षा प्रतंत्र पुरा वर्या प्रतंत्र प्रतं

### असर् गाउन्स सक रसर्क ॥ १

#### - शिष्ठीर्द्र शिष्णपुत्रम

- **ष्ट्रा**) रुद्ध ग्राप्य प्राप्य प्राप
- ო) प्यान्टर में प्रखणी॥
- ਰ) ਸ਼ਸਟੂਲ ਟਸ਼ਸ਼ਮੁਦੀ॥
- स) टूक्ड <u>प्रे</u>चेपए।

1

) FEDUCATION (S)

- ×
- ×
- :ह्याण के हिम प्राप्त कर महा भारत व्यवस्था विश्व कर स्थाप के हिम स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स
  - 🗶 ന്റെയ്ക് പാറ്റ് പുറത്തി 🛪
  - ल) सिट्यालीण प्रेखटडाण सेखटकः॥ √
  - ട) ല്യാര്യാ പുരുത്ത് പുരുത് പുരുത്ത് പുരുത് പുരുത്ത് പുര

- ಹ) ಹार्ट्रेचला, क्षा त्रुकांचिक्तव्यक्षी टिएटा॥ ✔
- ्याण स्वाप्त भाष्य प्रत्या स्वाप्त क्ष्य हिन्स भाष्य स्वाप्त स्वाप्त
- गोंद्रः सिंपूणा केंद्रवाहित केंद्रवाहित हैं केंद्रवाहित हैं सिंपा प्रकार काल्य हो सिंपा प्रकार स्वाहित हैं सिंपा प्रकार स्वाहित हैं सिंपा प्रकार स्वाहित हैं सिंपा प्रकार स्वाहित हैं सिंपा प्रकार सिंपा सिंपा हैं सिंपा सिंपा है सिंपा
- ॥ स्टाणिक करमणाभिक्र ण्याहण्य र भारति । १ भारति । १
- गोंझः गण्या देंड सिए ए॰पट्राणाणि स्वर्थ देंड सिलियन प्रेस्डार, प्रयाणिता प्रमाणिता प्राण्याणि स्वर्थ प्रेस्डा सिण्याणिता प्राण्याणिता प्रमाणिता प्राण्याणिता प्रमाणिता प्रमाणित प्रमा
- **७॥ लख्यकृत्मत श्रृ**क्षाञ्चः
  - सली प्रचट्रभण देवाँ केंद्रवेशोख्ड स्माल्राण प्रेत्रवेशोख्ड स्माल्राण प्रेत्रवेश स्व्यं प्रक्रित्र स्वाल्य प्रवेश स्वयं प्रक्रित्र स्वाल्य स्वयं प्रवेश स्वयं प

प्रकटि एक प्रतिकार प्रमाधिक स्वाप्ति के प्रवास स्वाप्ति प्रमाधिक स्वाप्ति प्रमाधिक स्वाप्ति प्रमाधिक स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति

त्रियाण एक्ट प्रत्याम प्रमाय प्रत्या सायाम प्रमाय प्रत्याम प्रमाय प्य प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय

- हा सिंपूणा आर्थणा तरेह केंद्र आए एक एक जिल्ला विश्व हुए । इ
- आफ्राः सूत देवम अस्त सक्ष्म भाष्याता सम्बन्ध स्वाप्त प्रमास प्रमास अस्त सक्ष्म भाष्या स्वाप्त स्वाप्
- 30 अ॥ गण्डि, गूल, हिंदेके, ग्राक्ष प्रतिष्ठित प्रतिष्ठ प्रतिष्ठित प्रतिष्य प्रतिष्ठित प्रतिष्ठित प्रतिष्ठित प्रतिष्ठित प्रतिष्ठित प्रतिष्य